आज सखी वेश में राधा रानी के संग युगल किशोर जी खेलेंगे होली

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। बुंदेलखंड सहित प्रदेश के आस्था का केंद्र पवित्र नगरी पन्ना में विश्व प्रसिद्ध मंदिरों मे होने वाले आयोजन आज भी अपनी अमिट छाप छोड़े हुये हैं। इसी कड़ी में वर्ष में एक बार होली के बाद तृतीया को एक मात्र भगवान युगल किशोर जी सखी वेश धारण कर महारानी राधा के साथ होली खेलते हैं।

इस परंपरा को समूचे बुंदेलखंड के लोग बडे उत्साह के साथ मनाते हैं और हजारों श्रृद्धालु इस दिन श्री युगल किशोर जी मंदिर पन्ना पहुंचते हैं। किशोर जी मंदिर के पुजारी से हासिल जानकारी के अनुसार 5 मार्च की द्वितीया को यहां भगवान रात्रि मे 12 बजे सखी वेश धारण करेंगे जिनके सखी वेश के दर्शन रात्रि

12 बजे से 12.30 बजे तक होंगे तथा 6 मार्च को ही प्रात: 5 बजे से 10 बजे तक भगवान श्री युगल किशोर जी राधा रानी के संग होली खेलेंगे। इस अनुपम दृश्य को देखने तथा परम्परा को निभाने के लिए हजारों श्रृद्धालु पन्ना जिले सहित समूचे बुंदेलखंड से आएंगे। भगवान के इस सखी वेष के दर्शन करने पन्ना के श्री जुगुल किशोर जी मन्दिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है। इस दिन भगवान युगल किशोर जी ने महारानी राधा जी के वस्त्र घांघरा एवं चोली पहनते हैं और सिर पर चुनरी डालते हैं वहीं राधा रानी जी अपने सिर में मुकुट धारण कर हाथों मे बांसुरी धारण कर लेती हैं। वर्ष में मात्र एक बार सजने वाली भगवान के सखी वेश की इस मनोरम झांकी के दर्शन के लिये पन्ना सहित बुंदेलखंड के अन्य जिलों के दर्शनार्थी हजारों की संख्या में पहुंचते हैं।

भाई दूज की रात से होती है तैयारी

ज्ञात हो कि भगवान इस सखी वेश की झांकी एक बार होली के बाद तृतीया के दिन सजायी जाती है जो भाई दोज की रात के 12 बजे के बाद इस झांकी को सजाया जाता है और इसके बाद प्रात: काल मंगल आरती से लेकर दिन में आज 10 बजे तक तृतीया को भगवान युगल किशोर जी द्वारा राधा संग होली खेलने के साथ श्रृद्धालुओं द्वारा भी जमकर होली खेलकर इस परंपरा को जीवंत किया जाता है।

वृंदावन की तर्ज पर हर कार्यक्रम होता है आयोजित

उल्लेखनीय है कि मन्दिरों के शहर पन्ना में स्थित श्री जुगुल किशोर जी का मन्दिर जन आस्था का केन्द्र है। इस भव्य और अनूठे मन्दिर में रंगों का पर्व होली वृन्दावन की तर्ज पर मनाया जाता है। तृतीया के इस मन्दिर की रंगत देखते ही बनती है। सुबह 5 बजे से ही महिला श्रद्धालुओं का सैलाब भगवान के सखी वेष को निहारने और उनके सानिद्ध में गुलाल की होली खेलने के लिये उमड़ पड़ता है। ढोलक की थाप और मजीरों की सुमधुर ध्वनि के बीच महिला श्रद्धालु अपने आराध्य की भक्ति और प्रेम में लीन होकर जब होली गीत और फाग गाती हैं तो सभी के पाँव स्वमेव थिरकने लगते। फाग, नृत्य और गुलाल उड़ाने का यह सिलसिला सुबह 5 बजे से 10 बजे तक अनवरत चलता है। यह अनूठी परम्परा श्री जुगुल किशोर जी मन्दिर में साढ़े तीन सौ वर्ष से भी अधिक समय से चली आ रही है जो आज भी कायम है।

दो शराब दुकान समूह 10 करोड़ रुपए बढ़कर निष्पादित हुए

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। नवीन आबकारी नीति वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पन्ना जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला निष्पादन समिति द्वारा शराब दुकान समूहों के प्रथम चरण की प्रक्रिया संपन्न हुई। प्रथम चरण में शराब दुकानों के चार समूहों को निष्पादन हेतु शामिल किया गया था। जिसमें बृजपुर समूह, मोहन्द्रा समूह, सलेहा समूह और शाहनगर समूह शामिल थे।

ई टेंडर कम ऑक्शन की प्रक्रिया में सलेहा और मोहन्द्रा समूह में कोई भी टेंडर नहीं प्राप्त हुए। जबकि बृजपुर समूह में ई टेंडर में 3 टेंडर जबकि ई टेंडर कम ऑक्शन में 6 टेंडर कुल 9 टेंडर प्राप्त हुए है। शाहनगर समूह में ई टेंडर में 1 टेंडर और ई टेंडर कम ऑक्शन में 3 टेंडर कुल 4 टेंडर प्राप्त हुए।

बृजपुर समूह में निर्धारित आरक्षित मूल्य 16 करोड़ 39 लाख 85 हजार 562 रुपए के विरूद्ध सबसे ऊंची बोली 23 करोड़ 4 लाख 99 हजार 999 रुपए वर्तमान लायसेंसी द्वारा लगाई गई। जो निर्धारित मूल्य से लगभग 40.56 प्रतिशत बढ़कर रहा। शाहनगर समूह में निर्धारित आरक्षित मूल्य 21 करोड़ 1 लाख 48 हजार 990 रुपए के विरूद्ध सबसे ऊंची बोली 24 करोड़ 57 लाख 99 हजार 999 रुपए वर्तमान लायसेंसी द्वारा लगाई गई । जो कि निर्धारित आरक्षित मूल्य से लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर हुआ है।

इस तरह दोनों समूहों पर निर्धारित आरक्षित मूल्य से 10 करोड़ 21 लाख 65 हजार 445 रुपए की वृद्धि होकर निष्पादित हुए है। इस निष्पादन प्रक्रिया में जिला निष्पादन समिति की अध्यक्ष कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू और पदेन सचिव जिला आबकारी अधिकारी मुकेश कुमार मौर्य के साथ सहायक जिला आबकारी अधिकारी विवेक त्रिपाठी, आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश कुमार पाण्डेय, हरीश पाण्डेय, विक्रांत जैन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

वनकर्मियों ने घायल चीतल का किया सफल रेस्क्यू

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के वन परिक्षेत्र शाहनगर अंतर्गत ग्राम आमा में एक घायल चीतल पाए जाने की सूचना प्राप्त होने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उसका सुरक्षित रेस्क्यू किया।

प्राथमिक जांच के उपरांत पशु चिकित्सक द्वारा चीतल का आवश्यक उपचार के बाद चीतल के पूर्णत: स्वस्थ होने पर उसे पुन: सुरक्षित रूप से प्राकृतिक आवास (जंगल) में छोड़ दिया गया। इस रेस्क्यू प्रयास का क्रियान्वयन वन परिक्षेत्र अधिकारी शाहनगर राजुल कटारे के निर्देशन में किया गया। प्रयास में परिक्षेत्र सहायक राम सरोवन पांडे, बीट गार्ड कुनिया रजनीश दुबे, बीट गार्ड रोहनिया की सहभागिता रही।

पवई रेंज में मिला दुर्लभ सारस क्रेन

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के पवई वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटना खम्परिया क्षेत्र में वन परिक्षेत्र अधिकारी नितेश पटेल द्वारा सारस का सफलतापूर्वक अवलोकन एवं फोटोग्राफी की गई।

यह पक्षी अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट में संकटग्रस्त श्रेणी में सूचीबद्ध है, जिससे इसका संरक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। सारस क्रेन विश्व का सबसे ऊंचा उड़ने वाला पक्षी माना जाता है, जिसकी

ऊंचाई लगभग 5 से 6 फीट तक होती है।

यह पक्षी अपनी आजीवन जोड़ी के लिए प्रसिद्ध है तथा प्रजनन काल में जोड़े द्वारा किया जाने वाला समन्वित नृत्य प्रकृति के सबसे आकर्षक दृश्यों में से एक माना जाता है। भारत में इसे शुभता एवं वैवाहिक निष्ठा का प्रतीक भी माना जाता है और ग्रामीण परंपराओं में इसका विशेष सांस्कृतिक महत्व है। सारस क्रेन सामान्यत: दलदली क्षेत्रों, खेतों एवं जल स्रोतों के आसपास निवास करता है और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रजाति की उपस्थिति से यह संकेत मिलता है कि क्षेत्र में जल, भोजन एवं सुरक्षित आवास की उपलब्धता संतोषजनक है।

दो जुएं के फड़ पर दबिश, कुल आठ आरोपियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति निवेदिता नायडू द्वारा जिले में जुआ एवं सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी तारतम्य में दिनांक 03 मार्च को थाना देवेंद्रनगर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए कस्बा देवेन्द्रनगर मे दो जुएं के फड़ पर दबिश देकर 08 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। मामले में थाना प्रभारी देवेंद्रनगर उपनिरीक्षक संतोष सिंह यादव को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति देवेंद्रनगर थाना क्षेत्र मे पशु अस्पताल के पीछे मैदान में पाठक मार्केट देवेन्द्रनगर मे कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों से रुपयों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ (मन्ना) खेल रहे हैं।

थाना प्रभारी देवेंद्रनगर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी गई, जहाँ कुछ व्यक्ति ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते पाए गए।

पुलिस द्वारा घेराबंदी कर दो जुआं के फड़ से मौके से 08 आरोपियों विनय कुशवाहा पिता नत्थू कुशवाहा उम्र 27 साल, राजमोहम्मद पिता लल्लू खान उम्र 20 साल, रघुवीर कुशवाहा पिता बालगोविन्द कुशवाहा उम्र 19 साल, मनोज विश्वकर्मा पिता राममिलन विश्वकर्मा उम्र 35 साल, विनीत कुशवाहा पिता नत्थू कुशवाहा उम्र 32 साल, भूपेन्द्र कुशवाहा पिता राममिलन कुशवाहा उम्र 23 साल, धीरू रजक पिता मंजेलाल रजक उम्र 19 साल, कल्लू खंगार पिता तोडन सिह खंगार उम्र 50 साल सभी निवासी देवेन्द्रनगर से 7820 रूपये सहित दो पहिया एवं चार पहिया वाहन एवं मोबाइल जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध थाना देवेंद्रनगर में संबंधित धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

गुनौर क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया गया होली का पर्व

नवभारत न्यूज

गुनौर/पन्ना 5 मार्च। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक त्योहार होली तीन दिन चलने वाला इस वर्ष प्रतिपदा दो दिन होने की वजह से चार दिन तक चला जिसमें प्रथम पूर्णमासी को होलिका दहन हुआ एवं दूसरे एवं तीसरे दिन प्रतिपदा का त्योहार लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल डालकर लगाकर मनाया।

चैथे दिन भाई दूज का त्यौहार मनाया गया इस अवसर पर बुंदेलखंड की परंपरा अनुसार गांव से लेकर शहरों तक में होलिका दहन के अवसर पर एवं बाद में भी फाग के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

यह परंपरा पन्ना जिला के गुनौर क्षेत्र में आज भी जीवित है जहां कई जगह धार्मिक स्थलों, देवालयों में फाग के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है कई गांवो में आज भी घर-घर फांगे गाई

जाती हैं। जहां पर सभी लोग एक दूसरे को रंग गुलाल डालते लगाते हैं पान चाय अपने घरों में सभी को कराते हैं इस परंपरा से गांव में कई लोगों की आपसी बुराइयां भी खत्म हो जाती हैं कई सामाजिक राजनीतिक लोगों द्वारा फांग मिलन कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है।

वही इस त्यौहार के अवसर पर कुछ लोग नशा करके भी उत्सव मनाते हैं कहीं-कहीं जवाबी फागों के कार्यक्रमों का भी आयोजन होता है जिसे देखने दूर दराज के लोगों को आमंत्रित किया जाता है। यह त्यौहार पंचमी तक रंग पंचमी के रूप में मनाया जाता है फिलहाल बुंदेलखंड के पन्ना जिला में आज भी होली का उत्सव पारंपारिक धूमधाम से मनाया जाता है जो इस वर्ष भी मनाया गया।

रेस्टोरेन्ट के कमरे में चल रहे जुएं के फड़ पर पुलिस का छापा, 7 आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा जिले में जुआ एवं सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के विरुद्ध विशेष अभियान सतत रूप से चलाया जा रहा है।

उक्त अभियान के तहत दिनांक 04 फरवरी को थाना देवेन्द्रनगर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए कस्बा देवेन्द्रनगर स्थित श्रीजी रेस्टोरेन्ट के कमरे में

संचालित जुए के फड़ पर दबिश देकर 07 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। मामले में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उपनिरीक्षक संतोष सिंह यादव को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति श्रीजी रेस्टोरेन्ट के कमरे में ताश के पत्तों से रुपयों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ (मन्ना) खेल रहे हैं। थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी गई, जहाँ आरोपी ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते पाए गए। पुलिस द्वारा घेराबंदी कर मौके से 07 आरोपियों संतोष गुप्ता पिता परमलाल गुप्ता, उम्र 45 वर्ष, शेष अग्रवाल पिता रामविशाल अग्रवाल, उम्र 49 वर्ष, सोबित जैन पिता सुभाष जैन, उम्र 20 वर्ष, राहिल जैन उर्फ शनि जैन पिता चक्रेश कुमार जैन, उम्र 31 वर्ष, मो. फाजुल उर्फ रानू पिता स्व. बब्बू खान, उम्र 36 वर्ष, पुष्पेन्द्र उर्फ बंटी जैन पिता स्व. महेन्द्र कुमार जैन, उम्र 46 वर्ष, कल्लू उर्फ नितिन जैन पिता जयकुमार जैन, उम्र 41 वर्ष सभी निवासी देवेन्द्रनगर को 19 हजार 500 नगदी सहित गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। आरोपियों के विरुद्ध थाना देवेन्द्रनगर में संबंधित धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

होलिका दहन के दिन हुई रात्रि गश्त

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। दक्षिण पन्ना वनमण्डल अंतर्गत होली एवं होलिका दहन के अवसर पर वनाग्नि की संभावनाओं तथा वन्यजीव शिकार की रोकथाम हेतु विशेष रात्रि गश्ती अभियान संचालित किया गया।

वनमण्डल के सभी वन परिक्षेत्रों, सर्किलों एवं बीट क्षेत्रों में वनकर्मियों, समिति सदस्यों तथा सुरक्षा श्रमिकों की संयुक्त टीमों ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी की। गश्ती दलों द्वारा वन सीमा से लगे ग्रामों में पेट्रोलिंग, जल स्रोतों एवं विद्युत लाइनों की जांच, जंगल के भीतर मार्गों की सर्चिंग तथा जिला सीमा क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती गई। रात्रिकालीन भ्रमण के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए ग्रामीणों को भी वनाग्नि रोकथाम एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

तीन समूहों पर कोई भी टेंडर प्राप्त नहीं हुआ

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। नवीन आबकारी नीति वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पन्ना जिले में शराब दुकान समूहों के लिए ई टेंडर कम ऑक्शन की प्रक्रिया चालू है।

इसी के अन्तर्गत दिनांक 4 मार्च को तीन समूह गुनौर, पवई और अजयगढ़ का ई टेंडर कम ऑक्शन के माध्यम से निष्पादन होना था। परन्तु इन तीनों समूह पर कोई भी टेंडर नहीं

प्राप्त हुआ। गुनौर समूह का आरक्षित मूल्य 23 करोड़ 13 लाख 46 हजार 307 रुपए है। पवई समूह का आरक्षित मूल्य 27 करोड़ 14 लाख 54 हजार 821 रुपए और अजयगढ़ समूह का आरक्षित मूल्य 22 करोड़ 4 लाख 65 हजार 254 रुपए है । अभी तक पन्ना जिले में दो चरणों में 7 समूहों को निष्पादन हेतु ई टेंडर कम ऑक्शन के लिए ऑनलाइन लाइव किया गया था।

विधायक कार्यालय में हुआ होली मिलन समारोह

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। डॉ. राजेश वर्मा के नेतृत्व में विधायक कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह के दौरान सभी लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और प्रेम, भाईचारे तथा सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम स्थल पर रंग-बिरंगे गुलाल और खुशियों के माहौल के बीच लोगों ने एक-दूसरे से मिलकर होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पारंपरिक देशी फाग का भी आयोजन किया गया, जिसमें लोकगीतों और ढोलक की थाप पर उपस्थित लोग झूम उठे और पूरा वातावरण होली के रंग में रंग गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता का प्रतीक है। यह त्योहार हमें सभी भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करने की प्रेरणा देता है।

धूमधाम से मनाई गई होली, लोगों ने रंग गुलाल लगाकर गले मिलकर दी बधाईयां

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 मार्च। होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ पन्ना शहर के साथ ग्रामीण अंचलों में मनाया गया। जिसमें ग्रामीण अंचलों में होलिका दहन के बाद फगुहारों ने खूब फाग गाये और एक दूसरे से गले मिलकर रंग गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाईयां तथा शुभकामनाएं दी। शहर में युवाओं का जत्था घूम घूम कर एक दूसरे युवाओं के साथ मिलकर खूब नृत्य कर रंगगुलाल खेले। लोगों ने अबीर एवं गुलाल का टीका लगाकर एक दूसरे को बधाईयां दी।

गांवों में लोग इस त्यौहार को काफी उमंग के साथ मनाते हैं। बसंत ऋतु के प्रवेश होते ही फाग गीतों का आनंद ढोल एवं मजीरें के साथ लेते हैं। होली के दिन हर घर में तरह तरह के पकवान बनाए। यह त्यौहार हिन्दू परम्परा के मुताबिक प्रतिवर्ष फागुन माह शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। दूसरे दिन रंग, अबीर एवं गुलाल से एक दूसरे को टीका लगाकर या छिडकाव कर एक दूसरे को मुबारकबाद देते हैं। कई जगह सामहिक होली मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। अधिकांश कार्यक्रम देवालयों में संपन्न होते हैं ताकि धार्मिक श्रृद्धा से जुडे लोग वहां एकत्र होकर लोगों को परम्परा से जोडे रखने मार्गदर्शन देते रहें। हालांकि पिछले दशक से होली मिलन का रिवाज तेजी से घट रहा है। युवा पीढी पाश्चात्य सभ्यता से प्रभावित हो रही है यही वजह है कि भारतीय संस्कृति एवं हिंदू परम्परा को युवा पीढ़ी उतना महत्व नहीं दे रही है। फिर भी बुजुर्गो का मिलता मार्गदर्शन हिंदू परम्परा को कायम रखने में पूरी तरह से मदद कर रहा है। इस वर्ष होली का त्यौहार शहर सहित पूरे जिले में शांति पूर्वक मनाया गया।

भाई दोज पवित्र रिश्ते का पर्व

धूमधाम से मनाया:- होली के बाद पडने वाली द्वितीया तिथि को भाई दूज का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ नगर सहित पूरे जिले में बनाया गया। यह त्यौहार भाई बहन के पारस्परिक प्रेम का प्रतीक है। इस दिन बहनों ने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी आरती उतारी एवं ईश्वर से उसकी लंबी उम्र की कामना की और बदले में भाईयों ने बहन की रक्षा करने का वचन देते हुए उन्हें उपहार दिए। वैसे इसे अलग अलग तरह से मनाया जाता है। लेकिन सब जगह एक बात समान होती है, कि बहन इस दिन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसे मिठाई खिलाती है और बदले में भाई अपनी बहन को तोहफे के साथ उसकी रक्षा करने का वचन देते हैं। त्यौहार को लेकर मान्यता है कि इस दिन बहन सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद आंगन में पूजा करने के लिए थोडी सी जगह में गोबर लीपकर आटे से चैक बनाती है चैक के ऊपर गोबर से ही कुछ आकृतियां जैसे चूल्हा, चक्की, कटोरी, बेलन पटा, आसें(रुई की गाठेंनुमा लंबी लंबी मोटी बत्तियां) खोपने के लिए टीला वगैरह बनाती है ऐसी मान्यता है कि इन सबसे घर में समृद्धि आए और भाई बहन दिन दूरी रात चैगुनी तरक्की करें। इसके साथ ही इन आकृतियों से थोडी सी दूरी पर एक मिट्टी के दिए में थोडा सी मात्रा में राई, नमक, सूखी लाल मिर्च और भटकटैया के कुछ फूल उसकी कांटेवाली पत्तियों के साथ रखे जाते हैं इस दिए में सटाकर आटे का एक पुतला बनाकर रखा जाता है। साथ ही रुई की गाठेंनुमा लंबी लंबी मोटी बत्तियां बनाई जाती हैं जिन्हें आसें कहा जाता है यह भाईयों की संख्या के मुताबिक बनाई जाती है जैसे, अगर एक भाई है तो एक आसें और दो या अधिक भाई हैं तो उतनी ही संख्या में आसें तैयार की जाती है रुई की इन आसों पर गांठों के आस पास हल्दी और गुलाल लगाया जाता है और पूजा के बाद गोबर से बने टीले में अपनी भाई की लंबी उम्र और उसके लिए सुख, स्वास्थ्य, समृद्धि की कामना करते हुए सीधे हांथ की सबसे छोटी अंगुली से रोप देती है इन सबको तैयार करने लेने के बाद पूजा के लिए कलश तैयार किया जाता है। और सामने कलश के सामने गौर गणेश की स्थापना की जाती हैं। सामान्य तौर पर कलश, गौर गणेश, सभी आकृतियों और पुतले की जल, चंदन, हल्दी, अबीर गुलाल, अक्षत, फूल, धूप, आरती, कपूर, से पूजा की जाती है होली के बाद पडने वाली इस दोज में पूजा में अबीर गुलाल का इस्तेमाल अनिवार्य माना जाता है। यहां तक पूजा के बाद भाई के माथे पर भी गुलाल से ही तिलक लगाया जाता है इसके बाद कथा कहने का प्रचलन है।